SANDESH
HPPCL E-Newsletter
January-March, 2021
Vol. II/2021 |Issue XXIV

111 मेगावाट सावड़ा–कुड्डू जल विद्युत परियोजना से वाणज्यिक उत्पादन आरम्भ

111 मेगावाट क्षमता की सावड़ा–कुड्डू जल विद्युत परियोजना से लम्बे इंतज़ार के बाद वाणज्यिक विद्युत उत्पादन 21 जनवरी, 2021 से प्रारम्भ हो गया है। श्री अमित कश्यप, प्रबन्ध निदेशक, हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन ने कहा कि निगम की यह जल विद्युत परियोजना प्रदेश के विकास एवं आर्थिकी को समृद्ध करने में योगदान देगी। ज्ञातव्य है कि इस परियोजना की पहली टरबाईन 5 नवंबर, 2020 दूसरी टरबाईन 17 नवंबर, 2020 और तीसरी टरबाईन 9 दिसम्बर, 2020 को क्रियान्वित कर ली गई थी।

मार्च, 2020 में आई कोविड –19 महामारी के कारण इस परियोजना की टेस्टिंग के कार्य में विलम्ब हुआ जिससे इस परियोजना के क्रियान्वयन में देरी हई । इस परियोजना से 386 मिलियन यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत उत्पादन होगा जिससे प्रदेश सरकार को सालाना लगभग 120 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त होगा। परियोजना में 11.365 किलो मीटर लम्बी, 5 मीटर ब्यास की भूमिगत सुंरग और 37 मेगावाट की 3 फ्रांसिस टरबाईनस लगाई गई हैं।

Upstream view of Sawra Kuddu HEP Barrage

Under Operation Turbine of Sawra Kuddu HEP

Power House of Sawra Kuddu HEP

इस परियोजना की सर्ज शाफ्ट 14 मीटर ब्यास और 73.10 मीटर ऊंची है और परियोजना का नेट–हेड 194 मीटर है। परियोजना के बैराज निर्माण का कार्य पटेल कन्सट्रक्शन कम्पनी और सुरंग निर्माण का कार्य आबान कोस्टल जॉइन्ट वैन्चर को जून 2007 में आबंटित किया गया था। इस परियोजना के बैराज एवं पॉवर हाउस का कार्य पूर्ण हो गया था लेकिन मुख्य सुंरग निर्माण में अबान कोस्टल जॉइन्ट वैन्चर की लचर कार्य प्रणाली के कारण इस कंपनी के साथ समझौता जनवरी 2014 में निरस्त कर दिया गया था।शेष बचे भूमिगत सुरंग के निर्माण कार्य का करार नवम्बर 2014 में हिन्दुस्तान कन्सट्रक्शन कम्पनी के साथ किया गया।

श्री अमित कश्यप, प्रबन्ध निदेशक, हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन ने इस परियोजना के कुशलतापूर्वक क्रियान्वयन और वाणज्यिक संचालन आरम्भ करने के लिए परियोजना से जुड़े सभी अधिकारिओं और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना हिमाचल प्रदेश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

काशंग जल विद्युत परियोजना (स्टेज–1) से पुनः आरम्भ हुआ विद्युत उत्पादन

काशंग जल विद्युत् परियोजना (स्टेज–1) ने 4 जनवरी, 2021 से 11 महीनों तक बंद रहने के बाद पुनः विद्युत उत्पादन आरम्भ कर दिया है। काशंग जल विद्युत् परियोजना (स्टेज–1) के परियोजना प्रमुख श्री संत राम गर्ग ने कहा कि इस परियोजना के इन्टेक में अत्यधिक सिल्ट आ जाने से इसके बैलेंसिंग रिजर्वायर, डिसेंडिंग चैम्बर और मुख्य सुरँग में सिल्ट जमा हो जाने से इस परियोजना से विद्युत् उत्पादन 8 फरवरी, 2020 से बंद हो गया था। लेकिन कठिन भौगोलिक परिस्थिती के बावजूद निगम के कुशल इंजीनियरज़ की

Tail Race Tunnel Outfall Kashang Hydro Electric Project (65 MW)

मेहनत से इस परियोजना को दोबारा से चालू किया जा सका। इस परियोजना का निर्माण किन्नौर जिला में काशंग खड्ड पर किया गया है और इसका विद्युत गृह राष्ट्रीय राजमार्ग–5 के समीप बनाया गया है। इस परियोजना का नेट हेड 821 मीटर का है।

यह परियोजना वर्ष 2016 में क्रियान्वित कर दी गई थी और 11 सितंबर, 2017 को तत्कालीन मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रदेश की जनता को समर्पित की गई।

हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित परियोजनाओं ने किया 463.32 मिलियन यूनिट्स विद्युत उत्पादन।

हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित तीन जल विद्युत् परियोजनाएं और एक सौर ऊर्जा संयंत्र से वित्त वर्ष 2020 –21 में 463. 32 मिलियन यूनिट्स विद्युत् उत्पादन हुआ जिससे 110.77 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। ज्ञातव्य है कि निगम तीन जल विद्युत् परियोजनाएं क्रमशः 65 मेगावाट काशंग जल विद्युत् स्टेशन, 100 मेगावाट सैंज जल विद्युत स्टेशन और 111 मेगावाट सावड़ा–कुड्डू जल विद्युत स्टेशन का संचालन कर रहा है। वित्त वर्ष 2020 –21 में 100 मेगावाट सैंज जल विद्युत् स्टेशन ने 424.79 मिलियन यूनिट्स विद्युत् उत्पादन किया। इसी दौरान 65 मेगावाट काशंग जल विद्युत् स्टेशन ने 12.98 मिलियन यूनिट्स और हॉल ही में क्रियान्वित किए गए 111 मेगावाट सावड़ा–कुड्डू जल विद्युत स्टेशन ने 17.23 मिलियन यूनिट्स विद्युत उत्पादन किया। फरवरी, 2019 में प्रदेश को समर्पित किए गए 5 मेगावाट क्षमता के बेरा डोल सौर ऊर्जा संयंत्र से 8.32 मिलियन यूनिट्स विद्युत उत्पादन हुआ।

Trainings in HPPCL

HPPCL has formulated its training policy for its regular/contractual employees. The training provided to employees keeps them motivated and upgrades their skills timely. The HPPCL training program includes in

presentations, exposure visits,training/ certificate courses or any other structured learning or developmental programme, based on organizational needs. As per this policy, all categories of employees are being trained in one or the other way every year, irrespective of their level.

Apart from this, HPPCL also understands its social role in the society. Keeping this in view, a specific number of technical/management students from different universities/colleges/institutes are allowed to undergo Industrial Training in the organization for 2-6 months, free of cost.

The Training Section is also conducting series of lectures/interative sessions on various topics like Motivation, Time Management, Attitute, Values, Ethics etc. on every Tuesday of the week at Corporate Office, Shimla in order to make employees for more effective & efficient in their working to maintain work-life balance.

ART WORKS BY CHILDREN OF HPPCL EMPLOYEES

Anhita Gupta D/o Anita Gupta, AO (R&R) Corporate Office, HPPCL

Aadya Verma D/o Ms. Kiran Verma, AO (R&R), Corporate Office, HPPCL

Shivansh Thakur, S/o Ms. Sanwli Katoch, AO (R&R), Corporate office, HPPCL

Yatharth Bhardwaj, S/o Sh. Hemant Bhardwaj, AE(IT), Corporate office

Arjun Lotheta, S/o Sh. Rahul Lotheta, Manager (PR) Corporate Office

Retirement

Sh. Dheeraj Mittal, General Manager (Electrical) being felicitated on his retirement on 31.03.2021 at Corporate office. He retired after 36 years of Govt. service

FOR FEEDBACK AND SUBSCRIPTION, WRITE TO US AT:

Sh. Rahul Lotheta, Manager (PR), Editor, e-Newsletter, Himachal Pradesh Power Corporation Ltd., Corporate Office, Himfed Building, BCS, New Shimla, Shimla-171009 (H.P.). Email: enewsletter@hppcl.gov.in prohppcl@gmail.com	**EDITORIAL BOARD** Sh. Manmohan Sharma, Patron Sh. Ved Prakash Sharma, Advisor Sh. Rahul Lotheta, Editor	**PUBLISHED BY:** Himachal Pradesh Power Corporation Ltd., Corporate Office, Himfed Building, BCS, New Shimla, Shimla-171009 (H.P.). Email: prohppcl@gmail.com